Page Three
Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment	Entertainment & Event
Property	Hobbies & Interests
Business Opportunity	Services
Vehicles	Jewellery & Watches
Announcements	Music
Antiques & Collectables	Obituary
Barter	Pets & Animals
Books	Retail
Computers	Sales & Bargains
Domain Names	Health & Sports
Education	Travel
Miscellaneous	

Matrimonial (Sunday Only)

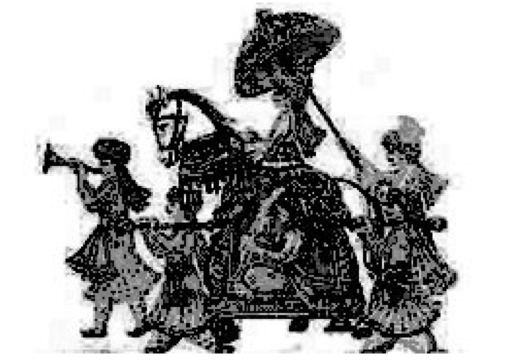

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मंडल यांत्रिक अभियंता/मुरादाबाद के द्वारा ई टेन्डर संख्या MC-9-OT-TP-trolley-BE-DDN-19 के अंतर्गत खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती है। जिसके बंद होने की तिथि व समय 14.01.2020, को 15:00 बजे है जो बंद होने के बाद किसी भी समय वेबसाइट पर खोले जाएगे। इस निविदा के अंतर्गत मैनुअल ऑफर स्वीकार्य नही होगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। टेंडेरर ध्यान दें कि निविदा मूल्य एवं धरोहर राशि का भुगतान केवल **through online payment mode** जो की **ireps** पर उपलब्ध है जैसे की नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ही स्वीकार्य हैं। डिमांड ड्राफ्ट बेंकर्स चेक, जमा रशीदें, एफडीआर आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं है।

कार्य का नाम	ट्रांसपोर्टेशन ऑफ़ ट्रालीज विद व्हील सेट्स ऑफ रेलवे कोचेज थ्रू रोड ट्रक/ट्रेलर टू एंड फरो बिटवीन कोचिंग डिपोज ऑफ मुरादाबाद डिवीजन एंड रेलवे वर्क शॉपस ओंर एनी अदर डेस्टिनेशन एज पर रिकुवायरमेंट ऑफ रेलवेज फॉर टू इयर्स।		
निविदा टाईप	**खुली निविदा**	**बिडिंग सिस्टम**	**सिंगल पैकेट सिस्टम**
निविदा बंद होने की दिनांक एवं समय	14.01.2020 15:00 बजे	अपलोडिंग दिनांक	20.12.2019 तक
प्री बिड हां/ना	नो	प्री बिड कुएरी डेट टाइम	नॉट अप्लीकेबिल
एडवेरटाइज्ड वेल्यू	97,59,892.16 रुपये	टेन्डरिंग सैक्शन	सी & डब्लू
बिडिंग स्टाईल	सिंगल रेट फॉर इच शैडयुल	बिडिंग यूनिट	% एज अबव/वेलो एटपार
धरोहर राशि (रु.)	1,95,200 रुपये	आफर की वैधता	45 दिन
निविदा मूल्य (रु.)	5,000 रुपये	कार्य की अवधि	24 माह
बिडिंग स्टार्ट डेट	31.12.2019	आर जॉइंट वेंचर (जे वी) फर्म्स अलाउड टू बिड	नो

No. MC-9-OT-TP-Trolley-BE-DDN-19 Date : 19.12.2019 4071/19

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राज्य अतिथियों के लिए खुला अटल बिहारी वाजपेई अतिथि गृह

संवाददाता

हरिद्वार। उत्तराखण्ड राज्य में अतिथियों के आगमन पर खास कर देवभूमि में प्रवास के लिए अब किसी भी प्रकार की दिक्त नहीं आने वाली ,क्योकि सालो से निर्मित होने के बाद से अपने खुलने की राह देख रहे अतिथि गृह को गत 16 दिसम्बर को राज्य अतिथियों के लिए खोल दिया गया। जिसको लेकर राज्य सम्पति विभाग द्वारा राज्य के सभी जिलाधिकारियों सहित समस्त अधिकारियो को सूचित भी किया है,पर इस अतिथि गृह का आवंटन देहरादून स्थित बीजापुर गेस्ट हॉउस की तरह राज्य सम्पति अधिकारी द्वारा किया जायेगा। जबकि देवभूमि

■दून में स्थित बीजा गेस्ट हॉउस की तरह हरिद्वार जिला प्रशासन का नहीं इस पर कोई नियंत्रण

हरिद्वार में पहले से मौजूद राज्य अतिथि गृह का आवंटन डीएम हरिद्वार और राज्य सम्पति अधिकारी दून द्वारा किया जाता रहा है।

आपको बता दे कि 2016 में नगर निगम मायापुर , हरिद्वार में तैयार अतिथि गृह अपने खुलने की राह देख रहा था। अन्तोगत्वा एक लम्बे इंतजार के बाद यह अतिथि गृह उत्तराखण्ड के शहरी विकास मन्त्री और हरिद्वार शहर विधायक मदन कौशिक के अथक प्रयासों से इसका नाम स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेई के नाम पर रखा गया है। 24 कमरों के माध्यम से अत्याधुनिक सुख–सुविधाओं से सुसज्जित इस अतिथि गृह में 4 सूट अतिविशिष्ठ अतिथियों के लिए और 20 रूम विशिष्ठ अतिथियों के लिए साथ में 52 सिंगल डॉरमेट्री सहित 60 व्यक्तियों की क्षमता वाला बैठक कक्ष ,30 व्यक्तियों के क्षमता वाला प्रतीक्षालय और एक साथ 30 लोगो के लिए डाइनिंग हाल मौजूद है।

इस सबके बावजूद एक साथ 50 गाड़ियों के खड़ी करने कि व्यवस्था इसके पार्किंग में है। 12 स्टाफ की मदद से संचालित इस अतिथि गृह में दो लिफ्ट भी लगे है। अटल बिहारी बाजपेई राज्य अतिथि गृह के प्रभारी/व्यवस्थापक के रूप में डामकोठी दव –1 के प्रभारी गिरधर प्रसाद बहुगुणा को बनाया गया है।

नौटियाल कृत्रिम अंग कल्याण समिति ने आयोजित किया चिकित्सा शिविर

संवाददाता देहरादून। नौटियाल कृत्रिम अंग कल्याण समिति शास्त्रीनगर द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर चंडीप्रसाद पंचकर्मा, योगा, फिजियोथैरेपी संस्थान में आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन रायपुर क्षेत्र के विधायक उमेश शर्मा काऊ ने किया। विशिष्ठ अतिथि के रूप में उत्तराखंड संस्कृति साहित्य एवं कला परिषद के अध्यक्ष दायित्वधारी घनानंद उपस्थित रहे। शिविर सुबह दस बजे शुरु हुआ, जो कि सांय चार बजे तक चला। चिकित्सा शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण के अलावा मरीजों को स्वास्थ्य परामर्श भी चिकित्सकों द्वारा दिया गया। इस मौके पर विकलांगों को कृत्रिम अंग, बैशाखी, कैलिपर, कान की मशीन, आंख के चश्मे, बुजुर्गों को छड़ी, दिव्यांगों को व्हीलचेयर एवं ट्राईसाइकिल वितरित की गई। इस शिविर का आयोजन प्रोस्थैटिस्ट एवं आर्थोटिस्ट डा. विजय कुमार नौटियाल चेयरमैन चंडीप्रसाद पंचकर्मा, योगा, फिजियोथैरेपी संस्थान द्वारा किया गया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्षः मैदानी क्षेत्र जा सकता है ओहदा

चुनौती

कुमाऊं और गढ़वाल के बीच जातीय संमवन्य बनाए रखने का अब रहा है फार्मूला

अतुल बरतरिया

देहरादून। प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष का चुनाव शीघ्र ही संभावित है। ऐसे में भाजपा के सामने इस प्रदेश में लंबे समय से चले आ रहे जातीय और क्षेत्रीय संतुलन को साधने की चुनौती को साधने की एक बड़ी चुनौती है। तमाम सियासी हालात और संतुलन को साधने पर गौर करें तो लग रहा है कि इस बार भाजपा जातीय संतुलन की बजाय क्षेत्रीय संतुलन को बनाने की कोशिश में है। अगर ऐसा होता हो तो प्रदेश अध्यक्ष का पद राज्य के मैदानी हिस्से में जा सकता है।

राज्य गठन के बाद से ही दोनों प्रमुख सियासी दलों भाजपा और कांग्रेस के सामने कुमाऊं और गढ़वाल के बीच जातीय और क्षेत्रीय संतुलन साधने की चुनौती रही है। सीधा सा फार्मूला रहा है कि मुख्यमंत्री अगर गढ़वाल का ब्रह्मण है तो प्रदेश अध्यक्ष कुमाऊं का ठाकुर होगा। इसी तरह अगर विपक्ष का प्रदेश अध्यक्ष गढ़वाल का ठाकुर है तो नेता प्रतिपक्ष कुमाऊं का ब्राह्मण होगा।

इस समय सत्ता पक्ष की ओर से मुख्यमंत्री का पद गढ़वाल के ठाकुर के पास है तो प्रदेश अध्यक्ष कुमाऊं के ब्रह्मण के पास है। मुख्यमंत्री बदलने की अभी कोई संभावना नहीं है ऐसे में भाजपा को प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए कुमाऊं का ब्रह्मण चाहिए। 15 दिसंबर तक नए प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव होना है। पहली बात तो इस समय भाजपा के पास कुमाऊं में इस कद का कोई ब्राह्मण नेता नहीं है। फिर भाजपा को इस वक्त मैदानी क्षेत्र की उपेक्षा की बात अंदरखाने झेलनी पड़ रही है।

इसकी बड़ी वजह यह है कि हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर की मैदानी क्षेत्र की दोनों लोकसभा सीटों पर पर्वतीय मूल के नेता काबिज हैं। फिर राज्यसभा की सभी सीटें भी पर्वतीय लोगों के पास है। मुख्यमंत्री भी पर्वतीय हैं और कैबिनेट में महज एक अरविंद पांडेय (कुमाऊं) और मदन कौशिक (गढ़वाल) ही मैदानी मूल के हैं । इसके अलावा मैदानी क्षेत्र की जनसंख्या भी पर्वतीय क्षेत्र की तुलना में काफी है। 2026 में प्रस्तावित नए परिसीमन में मैदानी क्षेत्र में विस सीटों की संख्या पांच तक और बढ़ सकती है। सूत्रों का कहना है कि भाजपा का थिंक टैंक इस मुद्दे पर शिद्दत से मंथन कर रहा है कि कहीं ये हालात मैदानी क्षेत्र की उपेक्षा का माहौल न बना दें। बताया जा रहा है कि भाजपा इस बार जातीय संतुलन की बजाए क्षेत्रीय संतुलन पर फोकस कर सकती है।

बताया जा रहा है कि एक मैदानी मूल के एक नेता ने तो संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों के सामने इस मुद्दे पर बेहद मुखर अंदाज में मैदानी क्षेत्र से ही अध्यक्ष बनाने की पुरजोर पैरवी भी की है। संघ पदाधिकारियों को बताया गया है कि मैदानी मूल के लोग किस तरह से खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं और इस बार प्रदेश अध्यक्ष पद पर मैदान का ही दावा बनता है।

ये नेता हो सकते हैं दावेदार

बलराज पासीः 1991 के लोस चुनाव में कांग्रेसी दिग्गज एनडी तिवारी को पराजित कर चुके हैं। प्रखर वक्ता हैं और विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल से जुडे रहे। राम जन्मभूमि आंदोलन में हिस्सा लिया। जेल भी गए हैं। 1991 के बाद से भाजपा ने इन्हें दावेदारी के बाद भी किसी भी चुनाव में टिकट नहीं दिया।

विश्वास डाबरः संघ से गहरा रिश्ता रहा है। पूरा परिवार पुराना संघी है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता भी रहे हैं। अटलजी समेत भाजपा और संघ के प्रमुख पदाधिकारियों का इनका परिवार खासा नजदीकी रहा है।

अरविंद पांडेयः वर्तमान में कैबिनेट मंत्री हैं और शुरुआती दौर से ही संघ पृष्ठभूमि के रहे हैं। एक दबंग नेता की छवि रही है। राज्य के मैदानी क्षेत्र में खासी पकड़ रही है। राष्ट्रीय सह महामंत्री संगठन शिवप्रकाश के नजदीकी है।

राजेश शुक्लाः 2017 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री और दिग्गज हरीश रावत को किच्छा सीट पर हराया था। शुक्ला रुद्पुर छात्रसंघ के अध्यक्ष हर चुके हैं और लगातार दूसरी बार विधायक हैं।

न्यूज डायरी

मानक के अनुसार नहीं पाये जाने पर निर्माण कार्य को ध्वस्त कराया

हरिद्वार। उप मेलाधिकारी हरिद्वार, महाकुम्भ–2021 गोपाल सिंह चौहान ने सिंचाई विभाग द्वारा निर्मित कराये जा रहे घाट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि सम्बंधित कार्य गुणवत्ता और मानको के विपरीत है। निरीक्षण के समय घाट की ऊपरी सतह पर कंकरीट के कार्य में कोरसैण्ड के स्थान पर स्थानीय बालू का प्रयोग पाया गया तथा प्रयोग की जा रही सामग्री, मानक के अनुसार नहीं पाये जाने पर तत्समय निर्माण कार्य ध्वस्त करा दिया गया।

सिंचाई विभाग के ठेकेदार के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज करने के प्रभारी मेलाधिकारी ने दिए निर्देश

हरिद्वार। महाकुम्भ मेला–2021 में होने वाले कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाय। यह निर्देश प्रभारी मेलाधिकारी ललित नारायण मिश्र ने मेला नियंत्रण कक्ष में आयोजित बैठक में अधिकारियों को दिया। कुम्भ कार्यों में होने वाले कार्यों में गुणवत्ता एवं मानक स्थापित करने के उद्देश्य में बुलाई बैठक में मिश्रा ने हरिहरानन्द घाट में सिंचाई विभाग के कार्य मानक के विपरीत पाये जाने पर संबन्धित ठेकेदार के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिया।

डिजिटल टैक्नॉलाजी एवेयरनेस वर्कशाप का डीएम ने किया शुभारंभ

शुभारम्भ

देहरादून। **संवाददाता**

वर्कशाप को संबोधित करते डीएम।

राजपुर रोड स्थित सीएनआई गर्ल्स इन्टर कालेज में आयोजित भारतीय स्टेट बैंक एवं उत्तराखण्ड साइंस एजुकेशन एवं रिसर्च के संयुक्त प्रयास से आयोजित कार्यक्रम डिजिटल टैक्नॉलाजी एवेयरनेस वर्कशाप कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी सी रविशंकर ने किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने उद्गार व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने तकनीकी शिक्षा का महत्व बताया तथा विज्ञान व इसकी नई तकनीकियों की जानकारी उपस्थित छात्राओं को दी तथा उनसे कहा कि जीवन आगे बढने के लिए विज्ञान को अपनाकर वर्चुअल रियिलिटी प्राप्त की जा सकती है उन्होंने चौयरमैन दुर्गेश पंत तथा स्टेट बैंक की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयास से बच्चों को विज्ञान की अपर्चुनिटी मिल रही है तथा इस अपुर्चनिटी गैप को पूरा करने में उनके द्वारा दिये जा रहे सहयोग की भी सराहना की।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में 100 से अधिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लासेस शुरू की गयी है, जिसकी शुरूआत लगातार की जा रही है। उन्होंने कहा कि आगे बढने के लिए डिजिटल टैक्नालॉजी का एडवांस लाभ बच्चों को मिलेगा और उन्हें भविष्य में अपने व्यवसाय के लिए एक राह मिल सकेगी।

तुलाज इंस्टीट्यूट में कौशल वृद्धि पर सेमिनार आयोजित

कौशल वृद्धि पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते वक्ता।

संवाददाता देहरादून। तुलाज इंस्टीट्यूट के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस द्वारा कॉलेज परिसर में कौशल वृद्धि पर एक करियर जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का आयोजन तुलाज इंस्टिट्यूट के प्रबंधन और वाणिज्य छात्रों के लिए किया गया। सेमिनार का संचालन बिजनेस हेड, इंस्टीट्यूशन फॉर स्किल डेवलपमेंट एंड कोलैबोरेटिव प्रोग्राम्स अरिंदमन सिंह, और उत्तरांचल रीजनल हेड जयंत कंदुरा द्वारा किया गया। सेमिनार लेखांकन और वित्त के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त कौशल सेट पर एक औपचारिक शुरूआत के साथ शुरू हुआ। अरिंदम ने छात्रों के साथ उनके भविष्य की योजनाओं और लक्ष्यों के बारे में भी बातचीत करी।